MP Board Class 8th Sanskrit Notes Chapter 3 गणतन्त्रदिवसः

गणतन्त्रदिवसः हिन्दी अनुवाद

शिक्षकः :
सुप्रभातम्! छात्रा: कथं चलति पूर्वाभ्यास:?

सर्वे :
गुरवे नमः सम्यक प्रचलति। गणतन्त्रदिवसार्थं राष्ट्रगानं राष्ट्रगीतं च ताललयबद्धम् अभ्यस्यामः।

शिक्षकः :
उत्तमम्! देशभक्तिपराणि अन्यान्यगीतानि अघि प्रस्तोतुं प्रभवन्ति।

श्यामला :
गुरो! भाषणार्थं भवत: मार्गदर्शनम् आवश्यकम्।

उग्गुवाद :
शिक्षक-सुप्रभात (सुबह की नमस्ते)। छात्रो पूर्वाभ्यास कैसा चल रहा है?

सभी :
गुरुजी को नमस्कार, ठीक चल रहा है। गणतन्त्र दिवस के लिये हम राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत का ताल और लय से युक्त अभ्यास कर रहे हैं।

शिक्षक :
उत्तम! देशभक्ति से युक्त अन्य गीतों को भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्यामला :
गुरुजी! भाषण के लिए आपका मार्गदर्शन आवश्यक है।

शिक्षकः :
निस्सङ्कोचम् पृच्छतु। यदहं जानामि तत्कथयामि।

ज्योत्सना :
गणतन्त्रदिवसः स्वतन्त्रता दिवस इव राष्ट्रियं-पर्व किल?

शिक्षकः :
आम्, जनवरिमासस्य षड्विंशे दिनाङ्के (२६ जनवरी) भारतीयाः वयं गणतन्त्रदिवसम् उत्साहेन आयोजयाम्।

राजेशः :
अस्मिन् पर्वणि दिल्लीनगरे स्थलसेना जलसेना-वायुसेनानां पथचलनादिकम् अद्भुतं चित्ताकर्षकं च भवतीति श्रुतम् मया।

सुहासिनी :
गुरो! अत्र महोत्सवे वायुसेनायाः जेटविमानानि उड्डयन्ते, वर्णरञ्जितधूमं च निस्सारयन्ति इति श्रुतम् मया।

अनुवाद :
शिक्षक-निस्संकोच (बिना किसी संकोच के या बेधड़क) पूछो। जो मैं जानता हूँ वह कहूँगा।

ज्योत्सना :
गणतन्त्र दिवस स्वतन्त्रता दिवस के समान राष्ट्रीय पर्व है ना?

शिक्षक :
हाँ, जनवरी महीने की छब्बीस तारीख (26 जनवरी) को हम भारतीय गणतन्त्र दिवस को उत्साह से आयोजित करते हैं।

राजेश :
इस पर्व पर दिल्ली नगर में थल सेना, जल सेना और वायु सेना की परेड आदि अद्‌भुत और मन को आकर्षित करने वाली होती है, ऐसा मैंने सुना है।

सुहासिनी :
गुरुजी। यहाँ महोत्सव में वायु सेना के जेट विमान उड़ते हैं और रंग से भरे धुएँ को छोड़ते हैं, ऐसा मैंने सुना है।

शिक्षकः :
सत्यम्। गणतन्त्रदिवसे भारतराष्ट्रपतिः स्थल-जल-वायुसेनानायकानाम् अभिवन्दनं स्वीकरोति एवं विभिन्नराज्येषु ततद्राज्यपालाः प्रतिनिधित्वं वहन्ति। विविध प्रान्तेभ्यः समागताः कलाकाराः सांस्कृतिककार्यक्रमैः जानपदनृत्यैः च जनमांसि रञ्जयन्ति।

नरेशः :
गुरो! गणतन्त्रम् इत्यस्य कोऽर्थः?

शिक्षकः :
समुचितः प्रश्नः, भारतं स्वशासनाधारण रचिताना राज्यानां गणरूपं वर्तते। राज्यस्तरे प्रादेशिक शासनं, राष्ट्रियस्तरे गणतन्त्रम् एकरूपं प्रवर्तते।

अनुवाद :
शिक्षक-सच है। गणतन्त्र दिवस पर भारत के राष्ट्रपति
थल, जल और वायु सेना के नायकों की सलामी लेते हैं,
इसी प्रकार विभिन्न राज्यों में वहाँ के राज्यपाल प्रतिनिधित्व करते हैं। अनेक प्रान्तों से आये कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों से और लोक नृत्यों से लोगों के मन को प्रसन्न करते हैं।

नरेश :
गुरुजी! गणतन्त्र इस (शब्द) का क्या अर्थ है?

शिक्षक :
उचित प्रश्न है, भारत अपने शासन के आधार पर बनाये गये राज्यों का गण (समूह) रूप है। राज्य स्तर पर प्रादेशिक शासन एवं राष्ट्रीय स्तर पर गणतन्त्र एक रूप होता है।

https://www.evidyarthi.in/

श्यामला :
गुरो! अस्य पर्वणः ऐतिहासिक महत्त्वं ज्ञातुम्। इच्छामि।

शिक्षक: :
अहं विस्तरेण वदामि। परतन्त्रताकाले ३१-१२-१९२९दिनाङ्कतः ०१-०१-१९३० यावत्तात्कालिक काङ्ग्रेससंस्थायाः लाहौरनगरे अधिवेशनं अभवत्। तस्मिन्
अधिवेशने 'सर्वैः राष्ट्रनायकैः सार्वभौमतन्त्रं रचयामः' इति। प्रतिज्ञा कृता। तत्रैव अधिवेशने राष्ट्रभक्तैः त्रिवर्णध्वजारोहण अपि कृतम्। भारतीयानाम् अयं प्रतिज्ञास्वप्नः १९४७ तमे वर्षे अगस्तमासस्य पञ्चदश दिनाङ्के पूर्णतां गतः। देश: स्वतन्त्रः अभवत्। तदारभ्य प्रतिवर्ष १५ अगस्तदिने वयं स्वतन्त्रतादिवसं आयोजयामः। अनन्तरं २६ जनवरी १९५० तमे वर्षे अस्माकं संविधानम् प्रारब्धम् इति कारणल: प्रतिवर्ष-अस्मिन् दिने समग्रे राष्ट्रे वयं गणतन्त्रदिवसम् आचरामः। सर्वे-धन्यवादाः, अस्माभिः स्वतन्त्रतादिवसस्य, गणतन्त्रदिवसस्य च महत्त्वं ज्ञाताम्।

शिक्षकः :
स्वस्ति! सर्वेभ्यः।

अनुवाद :
श्यामला-गुरुजी। इस पर्व का ऐतिहासिक महत्त्व जानना चाहती हूँ।

शिक्षक :
मैं विस्तार से बताता हूँ। परतन्त्रता (गुलामी) के समय में 31-12-1929 दिनांक से 01-01-1930 तक उस समय की कांग्रेस संस्था (पार्टी) की लाहौर नगर में बैठक हुई। उस बैठक में 'सभी राष्ट्र के नायकों द्वारा सार्वभौमतन्त्र (भारत की सम्पूर्ण भूमि पर अपना शासन) बनाना है' ऐसी प्रतिज्ञा की। वहीं बैठक में राष्ट्रभक्तों द्वारा तिरंगा भी फहराया गया। भारतीयों का। यह प्रतिज्ञारूपी स्वप्न 1947वें वर्ष में अगस्त महीने की पन्द्रह (15) तारीख को पूरा हुआ। देश स्वतन्त्र हो गया। तब से लेकर, प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त के दिन हम स्वतन्त्रता दिवस आयोजित करते हैं। उसके बाद 26 जनवरी, 1950वें वर्ष में हमारा संविधान प्रारम्भ हुआ इस कारण से प्रत्येक वर्ष इस दिन सम्पूर्ण राष्ट्र में हम गणतन्त्र दिवस मनाते हैं।

सभी :
धन्यवाद, हम सबके द्वारा स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस का महत्व जाना गया।

शिक्षक :
सभी का कल्याण हो।

शब्दार्थाः

सुप्रभातम् = सुबह का नमस्कार। मार्गदर्शनम् = निर्देश। ताल-लयबद्धम् = गाने की धुन से युक्त/ताल और लय से युक्त। अभ्यस्यामः = हम अभ्यास करते हैं। देशभक्तिपराणि = देशभक्ति से युक्त। प्रस्तोतुम् = प्रस्तुत करने के लिए। चित्ताकर्षकम् = मन को आकर्षित करने वाला। भाषाधारण = भाषा के आधार से। त्रिवर्ण ध्वजारोहणम् = तीन रंग के झण्डे का फहराना। सार्वभौमतन्त्रम् = भारत की सम्पूर्ण भूमि पर अपना शासन। प्रतिज्ञास्वप्नः = प्रतिज्ञा रूपी स्वप्न। कार्यगतमभवत् = लागू हुआ। स्वस्ति = कल्याण हो।